EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Chairman of the House Asian and Pacific Affairs Sub-Committee of U.S. Mr. Stephon Solarz discussed with the Indian leaders whether India has violated the human rights in Punjab;

(b) what he had enquiied from the Punjab Government; and

(c) what are the details of his visit in the Golden Temple in Amritsar?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH) : (a) Mr. Solarz discussed the Punjab situation with the Prime Minister but not from the point of view of whether India had viola-lated human rights in Punjab.

(b) Mr. Stephen Solraz was bnefed on the situation in Punjab by the Governor. He enquired mainly about judicial processons.

(c) The delegation was conducted around the Golden Temple by the Chairman, SGPC.

Contract labour with Hindustan Shipyard

900. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether a large number of persons have been engaged as contract labour with Hindustan Shipyard since long;

(b) if so, since when and what is their number; and

(c) whether Government propose to abolish the contract system and make them permanent; if not, what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT) : (a) and (b) Hindustan Shippyard Limited engages on an average about 450 labour per day, through Labour Societies, to meet their intermittent and sporadic jobs, which are not of a continuous nature. Such labour have been engaged through Socieites since 1971.

(c) The Government of Andhra Pradesh have *vide* G.O. Ms. No. 375 dated 5th June, 1981, prohibited employment of contract labour in the insulation work in ship-building, chipping & painting in Hindustan Shipyard Limited. The above order has not yet come into force, pending disposal by the State Government of a representation made by the Hindustan Shipyard Limited.

सेन्ट्रल बोर्ड आफ सेकेंड्री एजूकेशन द्वारा त्रिभाषा फार्मूला में से संस्कृत को निकाला जाना

901. **श्री अजीत जोगी :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सैकेन्डरी एजूकेशन द्वारा हाल ही में यह फैसला किया गया है कि संस्कृत को त्रिभाषा फार्मूला के अंतर्गत एक भाषा के रूप में मान्यता नहीं दी जायेगी जिसके कारण अधिकांश भाषाओं की जननी "संस्कृत" की शिक्षा देश में स्कूलों से पूर्णतया समाप्त हो जाएगी ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार संस्कृत की शिक्षा को प्रोत्साहित करना आवश्यक नहीं समझती ;

(घ) संस्कृत की शिक्षा की वर्तमान प्रणाली में परिवर्तन किये जाने के क्या आधार हैं ;

(ङ) क्या सरकार के इस निर्णय के विरुद्ध लोक सभा और राज्य सभा के अनेक सदस्यों द्वारा लिखित रूप में अपना रोष व्यक्त किया गया है ; और

(च) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या निर्णय लिया गया है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभाग में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) से (च) अध्ययन की संशोधित योजना में, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने माध्यमिक स्कूल परीक्षा के लिए हिन्दी, अंग्रेजी तथा एक आधुनिक भारतीय भाषा को निर्धारित किया है। हिन्दी "क" पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में हिन्दी के साथ-साथ संस्कृत पढ़ायी जाएगी। साथ ही छात्र एक अतिरिक्त विषय के रूप में संस्कृत सहित सात श्रेव्य तथा यूरोपीय भाषाओं में से एक भाषा को भी पेशकश कर सकते हैं।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में अध्ययन की इस संशोधित योजना को आरम्भ किया जिसमें स्कूलों में भाषाओं का अध्ययन त्रिभाषा सूत्र के अनुसार होना अपेक्षित है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की माध्यमिक बोर्ड स्तर पर भाषाओं के अध्ययन की संशोधित योजना की घोषणा करने के बाद, कुछ संसद सदस्यों सहित अनेक लोगों ने अपना मत व्यक्त करते हुए लिखा है कि इस व्यवस्था से स्कूलों में संस्कृत के अध्ययन में कमी आयेगी। संस्कृत के महत्व को कम करने का कोई भी इरादा नहीं है। अध्ययन की संशोधित योजना में, केवल कक्षा VIII तक संस्कृत के अध्ययन के पहले के प्रावधान की अपेक्षा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली माध्यमिक परीक्षा में बैठने वाले अधिकांश छात्रों द्वारा हिन्दी "क" पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में संस्कृत का अध्ययन किया जाएगा। छात्र और अधिक परिपक्व आयु में इसका अध्ययन करेंगे और चूंकि यह बोर्ड परीक्षा में परीक्षा के योग्य बन जायेगी। इसलिए इसका अध्ययन अधिक गंभीरता से किया जाएगा।

Fire at Sahar Airport, Bombay

902. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether Government's at* tention has been drawn to the news item which appeared in the Indian Express dated the 10th February, 1989 to the effect that major foe broke out at Sahar Airport, Bombay;

(b) if so, what were the causes of the out-break of fire;

(c) what is the estimated loss of life and property; and

(d) whether any inquiry has since been conductetd in this regard; if so what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL) : (a) Yes, Sir.

(b) to (d) An inquiry Committee has been set up by IAAI to enquire into the cause of the fire and assess the damage. The inquiry is in progress. There has been no loss of life due to the incident.

Hike in the fares of Indian Airline

903. SHRl MUKHTIAR SINGH MALIK : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state ;

(a) whether Indian Airlines has increased its fares recently :

(b) if so, to what extent ; and

(c) what are the reasons therefor?